असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय और स्पिक मक्रे द्वारा योजित

विरासत अनुभव श्रृंखला 2024 कार्यक्रम में

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के संबोधन का प्रारूप

दिनांक 15 मार्च 2024, शुक्रवार	**समय : 5.45 AM**	**स्थान : पानीखत्ती, गुवाहाटी**

- असम डाउन टाउन के चांसलर डॉ. एन.एन. दत्ता जी,
- कुलपति प्रो. एन.सी. तालुकदार जी
- पद्म भूषण से सम्मानित पंडित विश्व मोहन भट्ट जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण
- विश्वविद्यालय और स्पिक मक्रे के सदस्यगण
- मेरे प्रिय विद्यार्थियों
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

 ज यहां 'स्पिक मक्के विरासत अनुभव श्रृंखला' 2024 कायर्क्रम में प सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही ह॥ देश की समृद्ध कला, संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के इस कार्यक्रम मे शामिल होना सम्मान की बात ह॥ मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी को धन्यवाद देता हूं।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि स्पिक मक्के के सहयोग से योजित इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के तहत लोक नृत्य, कला एवं संस्कृति पर कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों का योजन कर देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं विविधता का प्रदर्शन किया गया।

मुझे बताया गया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत विदुषी ऊषारानी बश्य ने सत्रीय नृत्य और श्री सिनम बासु और उनकी टीम ने मणिपुरी लोक कला एवं नृत्य का प्रशिक्षण दिया।

उस्ताद ओमकार दादरकर ने बच्चों को भारतीय शास्त्रीय संगीत का ज्ञान दिया और बिहार से पधारीं श्रीमती अंबिका देवी ने भी बच्चों को मधुबनी चित्रकला के गुर सिखाए।

मैं बच्चों को देश की समृद्ध कला-संस्कृति के प्रति जागरूक करने में इस सहयोग के लिए □ प सभी का हृदय से धन्यवाद देता हूं।

मुझे यह जानकर भी खुशी हुई कि असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी को “स्पिक मक्के” के माध्यम से वायलिन वादक विदुषी ए कन्याकुमारी, कथक नृत्यांगना विदुषी मलाबिका मित्रा, नागा युद्ध नृत्य मंडली जैसे कलाकारों को इस कार्यक्रम में शामिल करने का सौभाग्य प्राप्त हु□ ह□ मैं इन सभी कलाकारों का भी कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए धन्यवाद एवं अभिनन्दन करता हूं।

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही ह कि “स्पिक मक्के” के सांस्कृतिक कार्यक्रम युवाओं को अपनी देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से इस संगठन का यह अभिनव प्रयास लोगों में सद्भावना और एकता को बढ़ावा देने में कला की शक्ति के प्रमाण के रूप में काम करता ह।

स्पिक मक्के केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक स्वच्छिक ंदोलन ह, जिसका उद्देश्य छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विरासत के बारे में अधिक जागरूक बनाना ह। यह संगठन युवाओं को सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित कर औपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता को समृद्ध करने पर जोर दे रहा ह, जो कि सराहनीय ह।

मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही ह कि राज्य सरकार ने राज्य के 50 ग्रामीण सरकारी क्षेत्रों में स्पिक मके कार्यक्रम योजित करने के लिए 5 लाख रुपये की राशि जारी की ह। यह राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक नृत्य और कला के साधकों को बढ़ावा देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता ह।

मुझे पूर्ण विश्वास ह कि सांस्कृतिक विरासत को चित्रित करने वाले ऐसे कार्यक्रमों के वित्त पोषण से राज्य के उभरते कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी सांस्कृतिक शिक्षा को बढ़ावा के लिए इसे हमारे शक्षणिक पाठ्यक्रम में एकीकृत करने पर जोर दिया जा रहा ह। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीयता, संस्कृति और संस्कार का समावेश किया गया ह।

 ज यहां प्रतिभाशाली कलाकारों की उपस्थिति हमें याद दिलाती ह कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती। मुझे विश्वास ह कि यह कार्यक्रम हमें ने वाली पीढ़ियों के लिए अपनी अनूठी परंपराओं का पोषण करने और संरक्षण जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी।

देश के नागरिक के रूप में हम सभी को हमारी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने वाली पहलों का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करनी चाहिए।

 इए हम सब मिलकर देश की कला-संस्कृति के विकास के लिए काम करें ताकि ये हमारे राज्य की पहचान के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाए और हमारे समाज के संवर्धन में योगदान दें।

अंत में इस कार्यक्रम की सफलता के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद। जय हिन्द।